

## मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में 32 करोड़ की दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया

### चर्चा में क्यों?

7 अप्रैल, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम ज़िले में 32 करोड़ रुपए की लागत से तैयार दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ नामतः बसई चौक से द्वारका एक्सप्रेसवे तक रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) तथा सकिंदरपुर जल निकाय के कार्याकल्प एवं सौंदर्यीकरण का लोकार्पण किया।

### प्रमुख बिंदु

- इन परियोजनाओं का धरातल पर साकार होने से गुरुग्राम ज़िले में ढाँचागत तंत्र को वसितार मिला है।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि बसई में नवनिर्मित रेलवे ओवर ब्रिज, आने वाले समय में हीरो-हॉन्डा चौक से द्वारका एक्सप्रेसवे और आसपास के सेक्टर में रहने वाले लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा साथ ही गुरुग्राम-झज्जर मार्ग पर पुराने आरओबी पर यातायात के दबाव को कम करेगा।
- गुरुग्राम में करीब 114 करोड़ रुपए की लागत से उमंग भारद्वाज चौक से नॉर्थवर्न पेरफ़ैरल रोड (एनपीआर) को जोड़ने वाले प्रोजेक्ट का हिसा इस फोर लेन आरओबी की लंबाई 910 मीटर है और इसके निर्माण पर 23 करोड़ रुपए की लागत आई है।
- इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने इसी प्रोजेक्ट के तहत बीते वर्ष नवंबर माह में बसई चौक पर 820 मीटर लंबाई और छः लेन वाले फ्लाईओवर और फुट-ओवर-ब्रिज का भी उद्घाटन किया था।
- मुख्यमंत्री ने सकिंदरपुर के समीप 90 एकड़ क्षेत्र में वकिसति जल निकाय के कार्याकल्प व सौंदर्यीकरण से जुड़ी परियोजना का भी शुभारंभ किया। इस जल निकाय क्षेत्र को बहाल करने के लिये, अप्रैल 2019 में जीएमडीए और गैर सरकारी संस्था आईएमगुडगाँव के बीच एक एमओयू हुआ था।
- इस जल निकाय के कार्याकल्प पर 9.1 करोड़ रुपए की लागत आई, जिससे शहरों में व्यापक हरति रणनीति के तहत वन क्षेत्र को बढ़ावा मिला और पुराने जल निकाय को पुनर्जीवित किया गया।
- इस परियोजना को धरातल पर साकार करने में अनेक नजी संगठनों ने सीएसआर फंड से वित्तीय मदद प्रदान की।
- करीब 90 एकड़ में फैले सकिंदरपुर जलाशय और वाटरशेड क्षेत्र के पर्यावरण-पुनर्स्थापना का मुख्य उद्देश्य गुडगाँव के नवासियों को स्वच्छ और हरति वातावरण उपलब्ध कराना तथा क्षेत्र में देसी प्रजातियों के वृक्षारोपण के माध्यम से शहर के शहरी हरति आवरण को बढ़ाना है।
- उल्लेखनीय है कि सकिंदरपुर जल निकाय को पुनर्जीवित कर इसके प्राकृतिक सौंदर्य को बहाल किया गया है। इस कार्य में आसपास के अतिक्रमणों को साफ करके, अन्य पहलों के बीच, जल निकाय में जमा हुए कचरे और मलबे को हटाया गया और जल निकाय में सीवेज के प्रवाह को बंद कर दिया गया।
- गुरुग्राम नगर नगिम (एमसीजी) की मदद से इस जल निकाय में पहले से मौजूद प्लास्टिक कचरे को अलग किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि कचरे को पास के लैंडफिल में जमिंदारी से नपिटाया जाए। इसके अलावा, आस-पास के आवासीय क्षेत्रों में वर्षा जल को यहाँ तक लाने के लिये पाइप लाइन डाली गई।
- इस जल निकाय के पुनर्जीवित होने से मानसून के मौसम में क्षेत्र में जलभराव का जोखिम भी कम किया हुआ है। इसके साथ ही क्षेत्र में बाड़ लगाना, मलबे को हटाना, प्राकृतिक पगडंडियों और पैदल रास्तों का निर्माण, वनस्पतियों की स्थानीय प्रजातियों के साथ व्यापक वृक्षारोपण भी सकिंदरपुर इको-रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के तहत किया गया है।